श्याम प्रभु की ज्योत

ॐ श्री श्याम देवाय नमः,
ॐ श्री श्याम देवायन नमः,
श्री श्याम प्रभु की जिस घर में,
हां ज्योत जगाई जाती है,
श्री श्याम, श्री श्याम,
जय श्री श्याम,
श्री श्याम प्रभु की जिस घर में,
हां ज्योत जगाई जाती है,
उस घर का भक्तो क्या कहना,
हर ख़ुशियाँ पाई जाती हैं.....

जो रोज सवेरे उठ करके,
मेरे श्याम को शीश नवाते हैं,
जो नाम श्याम का लेकर के ही,
घर से बाहर जाते हैं,
ज्योति की भभूति श्रद्धा से,
ज्योति की भभूति श्रद्धा से,
माथेँ पे लगाई जाती है,
उस घर का भक्तो क्या कहना,
हर ख़ुशियाँ पाई जाती हैं.....

जिस घर में श्याम को भोग लगा,
भोजन को परोसा जाता है,
उस भोजन को अमृत समझो,
वो श्याम प्रसाद बन जाता है,
जहा भोजन के हर कोर में,
महिमा श्याम की गाई जाती है,
उस घर का भक्तो क्या कहना,
हर ख़ुशियाँ पाई जाती हैं.....

जिस के घर में श्री श्याम भजन,
सुनते है और सुनाते है,
जो श्याम प्रभु के चरणों में,
तन मन की सुध बिसराते है,
जिस के घर में माँ बच्चो को,
श्री श्याम श्री श्याम जपवाती है,
उस घर का भक्तो क्या कहना,
हर ख़ुशियाँ पाई जाती हैं.....

ऐसे प्रेमी के घर “बिन्नू”,
मेरे श्याम प्रभु बस जाते हैं,
उस घर परिवार पे “लख्खा” श्याम धणी,

सुख अमृत बरसाते है,
वो घर मंदिर बन जाये जहाँ,
फूलो सी खुशबु आती है,
उस घर का भक्तो क्या कहना,
हर ख़ुशियाँ पाई जाती हैं,
श्री श्याम प्रभु की जिस घर में,
हाँ यह ज्योत जगाई जाती है,
उस घर का भक्तो क्या कहना,
हर ख़ुशियाँ पाई जाती हैं.....

स्वर : लखबीर सिंह लक्खा

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/24980/title/shyam-prabhu-ki-jyot

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |